मैं श्रेष्ठ आत्मा प्यारे बापदादा की छत्रछाया के नीचे बैठ यह संकल्प करती हूं कि..........

सहज याद के लिए शुभ संकल्पों की चालीसा

1. संसार की सर्व आत्माओं का सदा के लिए कल्याण हो।
2. सर्व आत्मायें सुख, शान्ति, आनन्द से भरपूर हो जायें।
3. सर्व आत्माओं के सदा के लिए दुःखदर्द समाप्त हो जायें।
4. सभी प्रकार की बीमारियों से सब पूरी तरह से मुक्त हो जायें।
5. सब आत्मायें सदा याद की यात्रा में रहकर पावन बन जायें।
6. सबका बुद्धियोग एकाग्र होकर प्यारे शिव बाबा से जुड़ जाये।
7. सब आत्मायें व्यर्थ से मुक्त हो सदा के लिए समर्थ बन जायें।
8. सब आत्मायें प्यारे शिव बाबा के असीम प्यार में समाई हुई रहें।
9. सब आत्मायें अनेक जन्मों के विकर्मों के बोझ से मुक्त हो जायें।
10. सब आत्मायें टैन्शन-फ्री होकर हल्की व तरोताजा स्थिति में रहें।
11. सब आत्मायें अपने पुराने आसुरी स्वभाव-संस्कार से मुक्त हो जायें।
12. सबमें देवी-देवताओं श्रेष्ठाचारी स्वभाव व संस्कार जागृत हो जायें।
13. सब आत्मायें शान्त, शुद्ध, पवित्र, शीतल संस्कार वाली बन जायें।
14. सब आत्मायें सच्ची अविनाशी खुशी व मौज का अनुभव करती रहें।
15. सब आत्मायें शुभ व शुद्ध संकल्पों के खजाने से भरपूर होकर रहें।
16. सब आत्मायें विकारों की कट से मुक्त हो सच्चा सोना बन जायें।
17. सबका आलस्य व अलबेलापन सदा के लिए समाप्त हो जाये।
18. सबका आपस में रूहानी प्यार, स्नेह बढ़ता जाये।
19. सर्व आत्माओं की आत्मिक ज्योति सदा जगमगाती रहे।
20. सब आत्मायें सम्पूर्ण निर्विकारी, सम्पूर्ण सतोप्रधान बन जायें।
21. सब आत्मायें परमात्मा के सर्व खजानों की अधिकारी बन जायें।
22. सब आत्मायें हद की इच्छाओं से मुक्त हो बेहद की स्थिति में रहें।
23. सब आत्मायें अतिन्द्रिय सुख के झूले में झूलती रहें।
24. सब आत्मायें परमात्म पढ़ाई पढ़कर अपना पूरा वर्सा ले लें।
25. सब सदा योगयुक्त कर्मयोगी स्थिति में रहकर ही कर्म करें।
26. सब आत्मायें सदैव अपने श्रेष्ठ स्वमान, ईश्वरीय नशे में रहें।
27. सर्व की कर्मेन्द्रियां शान्त, शुद्ध, पवित्र, शीतल, पावन हो जायें।
28. सभी आत्मायें सदा परमात्म प्यार व शक्तियों की छत्रछाया में रहें।
29. सब आत्मायें मुक्ति-जीवनमुक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त कर लें।
30. सब मान-शान की इच्छा से परे सदा एक दूसरे को सम्मान देते रहें।
31. सबके नयन शीतल, चित्त शान्त, दिमाग ठण्डा हो जाये।
32. सभी ईश्वरीय मर्यादाओं व नियमों का पूरा पालन करते रहें।
33. सब में दैवीगुणों का तीव्रगति से संचार होता रहे।
34. सबमें एक दो को आगे बढ़ाने की भावना बनी रहे।
35. सबका व्यवहार सरल, रमणीक व मधुर हो जाये।
36. सब अपने श्रेष्ठ लक्ष्य के पथ पर निरन्तर अग्रसर होते रहें।
37. सभी सदा अपने मूल अनादि, आदि स्वरूप की स्मृति में रहें।
38. सब के चेहरे सदा हर्षित, खुशनुमाः, खुशमिजाज रहें।
39. सभी रूहानियत में रहकर रूहानी वातावरण बनाने की सेवा करते रहें।
40. प्रकृति के पांचों तत्वों सहित विश्व की सर्व आत्माओं का कल्याण हो।